اس لئے که ان کے پاس پیسه ھے۔ ارر بلیک کا یہسہ ہے - رے اس یہسے کو انڈسٹری میں لٹا کر لاکھوں روپئے کماتے ھیں - دوسری طرف ایسے لوگ عین - اور ان کی تعداد بهت زیاده جو ۸ آنه بهی نهیں کیا یاتے عیں - اور جب وہ ۸ آنه کا روزگار کرتے هیں تو انهیں کئی مهینوں تک اس ۸ آند کو وصول کرنے سین لگ جائے میں - اس لحاظ سے جب مم اس اندستری کے لئے سمجھتے ھیں کا بلنے والے هندوستان میں اس کا بہت به حصه هولا - تو مين سمجهتا ھوں که یه ضروری هے که اس میں كام كونے والے آدمی نهایت صحتملد هون جسمانی طور پر اور ذهنی طور پر -

ان چلد الفاظ کے ساتھه اس عمدردانه ایشیورینس پر جو وزیر صاحب نے هاؤس میں دیا ہے - میں اس ریزولوشن کو آپ کی اجازت ہے واپس ليتا هور -)

The Resolution was, by leave, withdrawn.

16.58 hrs.

RESOLUTION RE: CRITERIA FOR BACKWARDNESS

Shri Hem Raj (Kangra): Speaker, I beg to move the Resolution standing in my name:

"This House recommends to the Government that early steps be taken to fix the criteria of back-

wardness on the basis of income rather than on the basis of caste. creed and sect and all privileges granted to backward classes on the basis of caste, creed and sect be withdrawn."

रेजोल्युशन मैंने माननीय सदन के सामने रखा है उस की मंशा यह बतलाने की है कि जिस वक्त से बैकवर्ड क्लासेज कमिशन बना और उस ने जो अपनी रिपोर्ट पेश की थी. अगर्चे वह हाउस में पेश नहीं की गई, लेकिन उन्हों ने जो काइटीरिया रक्खा था वह जाति पांत का था। उस का नतीजा यह हम्रा कि जाति पात की बिना पर हर एक शस्स ने यह कोशिश की, हर एक जाती ने कोशिश की. कि उस को बैकवर्ड करार दे दिया जाये। यहां पर भी जिस समय सदन के सामने कई सवाल ग्रीर जवाब हुए उस वक्त मैसूर का लास तौर पर जिक्र किया गया था कि वहां पर ६० परसेन्ट शस्स हैं जिन्हों ने अपने को बैकवर्ड क्लासेज में शुमार करने के लिये कहा था। इस का नतीजा यह हम्रा था कि बहत से ऊंचे क्लास के लोग जिन की ग्रामदनी काफी से ज्यादा थी, उन्हों ने भी ग्रपने ग्राप को बैंकवर्ड क्लासेज में रखने के लिये कहां क्योंकि वहां कुछ प्रिविलेजेज मिलते थे। ग्राज यह हालत है। भाज हमारे यहां बहत सी कम्युनिटी ऐसी हैं जिन के ग्रश्खास की ग्रामदनी हजारों रुपये है लेकिन जाति पांत की बिना पर वह आगे आते हैं और कहते हैं कि चृंकि वह बैकवर्ड कम्युनिटी के हैं इसलिये बैकवर्ड क्लासेज को जो कुछ कंसेशन्स मिलते हैं वे उन को भी मिलने चाहियें। चुंकि म्राजकल क्लासेज के आदिमियों को कुछ कंत्रशेन्स मिलते हैं जोकि फीज के हैं, वजायफ के हैं, नौकरियों के हैं, स्रौर चीजों के हैं, इसलिये हर एक कम्युनिटी इस कोशिश में हैं कि उस को बैकवर्ड कम्युनिटी में आने का मौका मिल जाय हाकि वं कहीं न कहीं ग्राला नौकरियों में ग्रा जायें या उन को कुछ स्कालर्शिप्स ज्यादा मिल जायें, हालांकि उन

[भी हेम राज]

की आमदनी बहुत ज्यादा है। इस से बात यह होतो है कि जहां हम देश में कास्टलेस और कीडलेस सोसायटी पैदा करना चाहते हैं वहां बजाय उस के हम वसूली तौर पर और अमली तौर पर दूसरीं तरफ बढ़ रहे हैं। यहां पर कास्टलेस और कीडलैस सोसाइटी के बजाए जाति पांत चढ़ रही है। अभी हाल के इलेक्शनों में हम नें इसको देख लिया।

सन् १६४७ में हालत यह थी कि हम उस वक्त नेशनिल्फ्स के नाम पर इलैक्शन लड़ते थे। सन् १६४१ में हमारी हालत यह हो गयी कि जाति पांति के बन्धन में भ्रा गये भौर जो जीत का स्लोगन उठता था वह यह होता था कि जाति पांत की बिना पर जीतना है। सन् १६४७ के चुनावों में चूंकि कुछ लोगों को कुछ सहलियतें मिली हुई थीं इसलिये भौर मी ज्यादा जाति पांति बढ़ी भौर बढ़ती चली गयी। उस के बाद भ्राप श्राज के इलेक्शन देखें। इन में तो जाति पांत की बिना पर ही हमारी चीज चलायी गयी। हर रोज जाति पांति बढ़ने की ही तरफ है, कम नहीं हो रही है।

मैं आप के सामने यह तस्वीर रखना चाहता हूं कि जो तरीका हम ने अख्तियार किया हुआ है उस से जाति पांत बढ़ रही है। यह बन्द होना चाहिये। आज मैं पंजाब का उदाहरण आपके सामने रखना चाहता हूं। पंजाब में बहुत सारी जातियां हैं

An Hon. Member: Sir, it is already past 5 P.M. (Interruptions).

Shri Hem Raj: If I am elected, I shall speak on this resolution in the next Parliament.

Shri Sadhan Gupta (Calcutta-East): But it will lapse.

17.02 hrs.

VALEDICTORY REFERENCES

Mr. Speaker: I am extremely happy that the House is full. Mr. Prime Minister, and Members of the Lok Sabha, this is the last day of the sitting of the Second Lok Sabha. We have completed the proceedings today. Before the House is adjourned sine die, I wish to express my grateful thanks to the hon. Members of this House for the kind co-operation that they gave me in getting through our work during all these years harmoniously.

In particular, I must thank the hon. Leader of the House for his kind goodwill towards me throughout. His great regard for parliamentary democracy, for parliamentary procedure and conventions has been a source of strength to all of us. He is one of the tallest men of the present day, if not the tallest. It is our good fortune and the good fortune of the country and the Parliament that the leadership has been entrusted to his hands.

I am equally thankful to the Leaders of the various Opposition Groups and other Members on both sides of the House for having contributed in no small degree to the successful functioning of the Second Lok Sabha. It is a pity that the Leaders of the various Groups, or most of them, are absent, and will be absent from the next Parliament.

I am thankful to my hon, friend the Hon. Deputy-Speaker, the Panel of Chairmen, and the chairmen of the various committees, and all the officers of the Lok Sabha for having worked with me in a harmonious relationship and contributed to the growth of democracy.

Freedom itself was won in a unique manner in our country from a mighty Empire by peaceful means without shedding a single drop of blood. We